nhun;ky mik/;k; xkj[kij fo'ofo|ky;] xkj[kij
vkink ,o jk"Vh; lj{kk ic/ku e Lukrdkÿkj fMIykek
¼**PGDDNSM**½
¼LofoÙkikf'kr ;kstuk d vUrxr½

Ik'u i= iFke
<u>ikdfrd ,o ekuo fufelr vkink d ey rRo</u>

1. आपदा – अर्थ, अवधारणा एवं सम्बन्धित भाब्द
2. प्रकृति, मानवता एवं विकास, आपदा के सामान्य कारक, आपदाओं द्वारा प्रदत्त विकास के अवसर,
3. जलीय, तटीय एवं समुद्री आपदायें, बाढ़, बाधों का फटना, जल एवं भूमि–जलीय हानियॉ, समुद्री सतह मे वृद्वि, सागरीय प्रदूशण, दुर्घटनायुक्त तेल का रिसाव एवं बहाव, ज्वार भाटा के कारण समुद्रीय क्षरण, मानव निर्मित ढॉचें
4. वातावरणीय आपदायें, ओजोनपरत के क्षरण का मुद्दा, पारिस्थितिकीय तंत्र पर प्रभाव, ग्रीन हाउस प्रभाव एवं उससे सम्बंधित पर्यावरणीय समस्यायें, कार्बनमोनोआक्साइड एवं अन्य ग्रीन हाउस गैसे, वायु प्रदूशण एवं अम्ल वर्शा, वैि वक उश्णता और ऊश्मा, वैि वक क्षेत्रीय एवं स्थानीय परिवर्तनो, कृशि एवं पारिस्थितिकीय प्रभाव एवं वैि वक उश्णता का आर्थिक पक्ष, भू–आपदायें एवं भूगार्भक एवं वृहद उथल पुथल
5. भूकम्प, ज्वालामुखी, भूस्खलन, चट्टानों का गिरना, बर्फ के वि ााल खण्डों का गिरना, भू–परत का क्षरण और कीचड़ का बहाव एवं हिमनदियॉ
6. दुर्भिक्ष एवं अकाल– दुर्भिक्षों एवं अकाल के प्रकार, प्रेरित अकाल, जलीय अकाल, कृशि अकाल दुर्भिक्ष के कारण – मरूस्थल एवं मरूस्थलीय करण
7. भूजल का अत्यधिक दोहन, सूखा, दावानल, आने वाली समस्यायें, भारत की समस्यायें
8. वन सम्बंधी आपदायें– तनों की कटान और जैव–विविधता की हानि, पारिस्थितिकीय तंत्र की हानि, जातियों, उपजातियों एवं जनसंख्या की विविधतायें, वनों एवं जलीय भूमि के निश्कासन तंत्र पर प्रभाव भाुद्व जल, भीगी भूमि, क्षेत्रीय पौधों एवं जीवाणुओं की हानि
9. वायु एवं जल जनित, कटिबंधीय चक्रवात, जल से सम्बंधित हानियॉ, बंगाल की खाड़ी मे चक्रवातीय तूफान एवं भारत के पूर्वी तट पर प्रभाव, तटीय बाढ़ एवं उनका प्रभाव
10. तकनीकी आपदायें, औद्योगिक उपयोग एवं कचरा उत्पादन, मानव निर्मित आपदायें, औद्योगिक आपदायें, घातक रसायनें एवं पर्यावरण, ट्रेन दुर्घटनायें एवं अन्य
11. खान आपदायें, खानों के बंद होने के कारण आपदायें कोयला खानों में अग्नि एवं विस्फोटको से होने वाली दुर्घटनायें, स्वास्थ्य का जोखिम, भूक्षरण, जल, वायु एवं ध्वनि के प्रदूशण कम्पन की समस्यायें, खानों से उत्पन्न होने वाला कचरा
12. युद्ध, रसायन और पर्यावरण, सैनिक गतिविधियॉ एवं हानिकारक रसायन, रेल, सड़क और समुद्र से खतरनाक सामानों को ढोने से होने वाला नुकसान, नाभिकीय तकनीक,

विकिरण कू कचरों नाभिकीय युद्ध के प्रभाव, पर्यावरण का नुकसान, जैविक भास्त्र, पर्यावरण और युद्ध कर्म, कीट ना ाक एवं हानिकारक वस्तुओं का वायु जल व भूमि जैव क्षेत्र पर प्रभाव से पर्यावरण पर पड़ने वाला दुश्प्रभाव, विकास राश्ट्रों की भूमिका

13. आतंकवादी गतिविधियों के कारण उत्पन्न आपदाएॅ, रक्षा उधोग और वायुयान सम्बंधी दुर्घटनायें इत्यादि जैसी गतिविधियों का प्रभाव

iz'ui= f}rh;

vkink mUewyu ,oa izca/ku

1. जोखिम मूंल्यांकन के उद्दे य, विभिन्न प्रकार की आपदाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया
2. आपदा उन्मूलन योजनाओं और राश्ट्रीय स्तर पर उठाये गये कदम एवं तैयारी
3. वैि वक, क्षेत्रीय, राश्ट्रीय और आपदा प चात् की सहायता तैयारी
4. आपदा का प्रत्युत्तर और समायोजन, आपातकालीन एवं आपदा उपरान्त सहायता
5. संयुक्त राश्ट्र की आपदा प्रबंधन तंत्र, आपदा प्रबंधन चक्र– उद्दे य एवं प्राथमिकताएँ
6. आपदा उन्मूलन में अन्तर्राश्ट्रीय सहयोग
7. बॉध नियंत्रण एवं प्रबंधन, भारत, बांग्लादे ा, चीन, नीदरलैड़ और अन्य स्थानों की घटनाओं का अध्ययन
8. बॉधों एवं वैराजों तथा नदी मार्ग परिवर्तनो का पर्यावरण प्रबंधन
9. समुद्री पर्यावरण एवं तटों की सुरक्षा
10. तेल गिरने और निकलने की दुर्धटनाओं को रोकने के उपाय
11. समुद्रीय प्रदूशण को रोकने की क्षेत्रीय प्रक्रियायें
12. समुद्री विधि तथा समुद्री पर्यावरण की सुरक्षा नौकाओं से उत्पन्न प्रदूशण एवं अन्य तटवर्ती गतिविधयॉ
13. जलवायु परिवर्तन की समीक्षा, पहल प्राथमिकतायें एवं जननीतियॉ
14. ग्रीन हाउस गैसों केा कम करना, वायु की गुणवत्ता नियंत्रण स्त्रातजिक एि ाया की अम्ल वर्शाओं के लिए नतिगत माडल
15. सूचना, मूल्यांकन, भूकम्प की भविश्यवाणी और मानचित्रण भूकम्प की भविश्यवाणी एवं सूचना, आकलन तथा मानचित्रीकरण, भूवैज्ञानिक एवं भौगोलिक वि लेशण भाक्ति गति विधि, समायोजन तथा भेदनीय परिवर्तन भूकम्प के अवयव उन्मूलन कार्यक्रम, भारत में आपदा उन्मूलन कार्य क्रम आकस्मिक कार्यवाही योजना
16. ज्वालामुखी की गतिविधियों का अध्ययन एवं चेतावनी, ज्वालामुखियों की देखभाल की मौसम उपग्रह छवियां, भूगर्भीय सुधार एवं स्वैच्छिक सुधार जोखिम की कमी और प्रि ाक्षण
17. भूस्खलन से उत्पन्न हानियों को कम करने की तकनीकें और आपदा उन्मूलन
18. संसाधनों की योजनाओ का प्रबंधन, मानव संसाधन विकास क्षमता निर्माण, संस्थाओं का सुदृढीकरण भूमि उपयोंग योजनाओं के वैकल्पिक आर्थिक एवं सामाजिक पक्ष
19. सूखें की सम्भावनाओ का मूल्यांकन और उनके उन्मूलन की स्त्रातजिक, सुखे की देखभाल और दुर्भिक्ष सहायता के प्रयास

20. संयुक्त राश्ट का मरूस्थलीयकरण पर सम्मेलन और उसका ढांचा
21. जैव विविधता का प्रबंधन, प्राकृतिक वनों का विकास
22. जैव सुरक्षा और पर्यावरणीय सुरक्षा का नियंत्रण तथा जैव विविधता का सम्मेलन
23. बाढ, भविश्यवाणी के तरीके सामान्य बाढ प्रबंधन के माडल, समेकित बाढ़ प्रबंधन
24. आपदा प्रबंधन, टापिकल चक्रवातों के उन्मूलन के उपाय
25. प्राकृतिक आपदाओ के प्रबंधन में क्षेत्रीय सहयोग एवं सार्क
26. तकनीकी आपदाओं का प्रबंधन रोकथाम और सुधार की क्रियायें
27. खानों के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजनायें, खानों की गतिविधियों के परिणामों के आकलन सूर संवेदन मूल्यांकन, वन एवं खनिज संरक्षण, खान उद्योग में प्रदूशण नियंत्रण
28. पर्यावरण नियंत्रण की देखभाल, नाभिकीय ऊर्जा स्टे ान हेतु मानव संसाधन विकास, नाभिकीय तकनीकी समस्याओं के प्रति वै ि वक चिंतायें , अन्तर्राश्ट्रीय आण्विक ऊर्जा एजेन्सी की भूमिका, नाभिकीय नुकसान से सम्बधित नागरिक दायित्वों का सम्मेलन जैसे 1963 सम्मेलन, अन्तर्राश्टीय प्रत्युत्तर एवं क्रियावन्यन समस्यायें।

i'ui= r`rh;

jk'Vªh; lqj{kk

[k.M v

1. अ. सुरक्षा की मूल अवधारणायें

   (i) राश्ट्रीय सुरक्षा

   (ii) क्षेत्रीय सुरक्षा

   (iii) व्यापक सुरक्षा

   (iv) उभयनिश्ठ (Common) सुरक्षा

   (v) समान सुरक्षा

   ब. राश्ट्रीय सुरक्षा के उद्दे य : आधारभूत मूल्य, राश्ट्रीय हित

   स. सुरक्षा के समक्ष चुनौतियाँ : वैयक्तिक, उप–राश्ट्रीय, राश्ट्रीय, क्षेत्रीय और अन्तराश्ट्रीय स्तर

2. राश्ट्रीय भाान्ति और उसमे अवयव
3. गुट–निरपेक्षता, भाक्ति संतुलन, सामूहिक सुरक्षा और आतंक का संतुलन – अवधारणा विकास और प्रासंगिकता
4. अन्तर्राश्ट्रीय आतंकवाद, विप्लव और प्रति–विप्लव, और प्रासंगिकता, निम्न तीव्रता संक्रिया, संगठित अपराध, मनी लॉन्डरिंग, मादक द्रव्य व्यापार
5. रासायनिक, जैविक, पारिस्थितिकीय, खतरें और प्रबंधन
6. भास्त्रीकरण : भास्त्र प्रतिस्पर्धा, भास्त्र सहायता, भास्त्र व्यापार और भास्त्र प्रसार
7. गैर–पारम्परिक : मानव सुरक्षा के स्रोत एवं अर्थ
8. दक्षिण एि ाया में भारणार्थियों, आन्तरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (IDP) और अवैध प्रवासियों के संदर्भ में आव्रजन और सुरक्षा की समस्यायें
9. सरकार और मानव सुरक्षा

[k.M c

1. भारत की सुरक्षा की ऐतिहासिक विरासत तथा भू–स्त्रातजिक एवं भू–राजनीतिक
2. दक्षिण एि ाया, चीन, अमेरिका एवं रूस के वि ोश संदर्भ में राश्ट्रीय सुरक्षा समस्यायें और भारत की सुरक्षा के लिए प्रयास
3. रक्षा अनुसंधान एवं रक्षा विकास

4. राश्ट्रीय सुरक्षा समिति एवं सलाहकार बोर्ड के वि ोश संदर्भ में राश्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन : वर्तमान एवं भविश्य
5. भारतीय नाभिकीय एवं प्रेक्षपास्त्र क्षमता तथा नाभिकीय सिद्धान्त, नाभिकीय कमाण्ड प्राधिकरण
6. हिन्द महासागर क्षेत्र के स्त्रातजिक वातावरण में भारत की सामुद्रिक सुरक्षा एवं 21वीं भाताब्दी के लिये इसकी आव यकतायें
7. योजना कार्यक्रम, बजट निर्माण, भारत में रक्षा के आर्थिक सिद्धान्त : पी0पी0बी0 (योजना कार्यक्रम बजट निर्माण)
8. आर्थिक उदारीकरण और वै वीकरण के प्रभाव : रक्षा एवं विकास तथा भाान्ति एवं विकास
9. सैनिक क्रियाकलापों में क्रान्ति तथा भास्त्र पद्धतियों का चयन

i'ui= prFk

L=krftd fopkj ,o lj{kk icU/k

[k.M v

1. भीत युद्ध की समाप्ति एवं वि व व्यवस्था का अभ्योदय
2. संयुक्त राश्ट्र का संगठन : मुद्‌दें एवं सम्भावनायें
3. स्त्रातजिकी विचार : वि व एवं भारत के संदर्भ में परिकल्पनायें एवं विकल्प
4. आणविक भयोपरत तथा तनाव भौथिल्य : अवधारणा, सिद्धान्त और महत्व
5. अन्तर्राज्यीय स्तर के संघर्शों का उद्‌भव प्रकार तथा संरचना
6. कल्पनायें, वि वास, पद्धति और अन्तर्राश्ट्रीय संघर्श
7. अन्तर्राश्ट्रीय मानवतावादी विधि और भारणार्थी विधि
8. भाांति और सुरक्षा संरक्षण की तकनीक : सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था, भाांतिपूर्ण समाधान, बलात्‌ कार्यवाही, क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्थायें और निरस्त्रीकरण
9. संघर्श समाधान एवं प्रबन्धन की तकनीक : पि चमी मॉडल
10. आणविक युद्ध में परम्परागत युद्ध कर्म
11. दोहरे प्रयोग एवं निर्णायक महत्व वाले तकनीकी विकास और राश्ट्रीय सुरक्षा पर उसका प्रभाव
12. मानवीय हस्तक्षेप एवं रणनीतिक वाद—विवाद

[k.M c

1. युद्ध कला के क्षेत्र में मैकियावेली का योगदान
2. कौटिल्य का युद्ध द र्न तथा अन्तर्राज्यीय संघर्श प्रबन्धन पर उनके विचार
3. युद्ध कला के लिए सान्तजू का योगदान
4. युद्ध और राजनीति पर क्लाविट्‌ज के विचार, स्त्रातजी एवं समरतंत्र
5. जनसेना, स्त्रातजी, समरतंत्र एवं संहारिकी पर जामिनी की अवधारणा
6. सैन्य भाक्ति के आर्थिक आधार पर एड्‌म स्मिथ के विचार
7. मार्क्स एवं एंजिल्स के विचार
8. जर्मन स्कूल के विचार : मोल्टके, स्लीफेन, ल्युडेन डार्फ एवं हिटलर
9. फ्रांसीसी स्त्रातजिक विचार : फाक एवं ब्युफरे

10. युद्ध की सोवियत अवधारणा : लेनिन, स्टेलिन एवं भाकालवासकी
11. ब्रिटि ा स्त्रातजिक विचार : लिडिल हार्ड एवं जे0एफ0सी0 फुलर
12. सामुद्रिक भाक्ति एवं सामुद्रिक स्त्रातजिक पर ए0टी0 महान के विचार
13. भू–राजनीतिक विचार में मैकिण्डर का योगदान
14. नभ–पुच्छ कर्म के सिद्धान्त : ड्यूहेट, मिचेल एवं सेवरस्की
15. गुरिल्ला युद्ध कर्म के समरतंत्र एवं सामरिकी पर माओ के विचार
16. गुरिल्ला युद्ध कर्म पर चे–ग्वेरा की अवधारणा
17. संघर्श प्रबन्धन एवं रूपान्तरण के गाँधीवादी तकनीक

i'ui= ipe
i;kfxd if k{k.k@y?k “kk/k dk;

सभी प्रवे ित छात्र निर्दे ित विशय पर प्रायोगिक प्र ाक्षण/लघु ोध कार्य सम्पन्न करेंगे। विशय वस्तुतः सम सामायिक, प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं, युद्ध, विपदाओं, खतरों का मूल्याकंन, भूकम्प, बाढ़, जलीय आपदा, बांधों का टूटना, सामुद्रिक स्तर के खतरें, सामुद्रिक प्रदूशण, तटीय आपदा, वातावरणीय आपदा, ग्रीन हाउस प्रभाव, वै वक उश्णता, अम्ल वर्शा, अग्निकाण्ड होगी।